

नष्टधन वि. (तत्.) धन नष्ट होने से धनहीन।

नष्टप्रभ वि. (तत्.) तेजहीन, कान्तिहीन।

नष्टप्राय वि. (तत्.) लगभग नष्ट, नष्ट जैसा।

नष्टबुद्धि वि. (तत्.) जिसकी बुद्धि कार्य न कर पा रही हो।

नष्टभ्रष्ट वि. (तत्.) जो बिल्कुल टूट-फूट या बरबाद हो गया हो, चौपट।

नष्टयश वि. (तत्.) जिसका यश नष्ट हो गया हो, यश रहित।

नष्टराज्य पुं. (तत्.) प्राचीन काल के एक देश का नाम।

नष्टरूपा स्त्री. (तत्.) अनुष्टुप् छंद का एक भेद।

नष्टविष वि. (तत्.) वह जहरीला जानवर जिसका विष या जहर नष्ट हो गया हो।

नष्टशंक वि. (तत्.) 1. शंका रहित, भयरहित, निर्भय 2. निरापद।

नष्टस्मृति वि. (तत्.) जिसकी स्मृति नष्ट हो गई हो।

नष्टा स्त्री. (तत्.) 1. वेश्या, रंडी 2. व्यभिचारिणी, कुलटा।

नष्टाग्नि पुं. (तत्.) वह सात्विक ब्रह्मण या द्रविज जिसके यहाँ की श्रौत विधि से स्थापित अग्नि प्रमाद या आलस्य के कारण लुप्त हो गई हो।

नष्टात्मा वि. (तत्.) दुष्ट, खल, अधम, नीच।

नष्टाप्तिसूत्र पुं. (तत्.) 1. खोई चीज का ऐसा अंश जिससे बाकी चुराई गई चीजों का सूत्र मिल सके 2. लूट का माल।

नष्टार्थ वि. (तत्.) जिसका धन नष्ट हो गया हो, दरिद्र, धनहीन।

नष्टाश्वदग्धरथ न्याय पुं. (तत्.) 1. प्रसिद्ध दृष्टांत जिसका तात्पर्य होता है कि दो व्यक्तियों द्वारा अपनी वस्तुओं का पारस्परिक सहयोग

द्वारा अपना उद्देश्य सिद्ध करना 2. विधि वाक्य एवं अर्थ की तथा प्रधान वाक्य एवं अंगवाक्य की परस्पर आकांक्षा होने से एकवाक्यता प्राप्त कर प्रवृत्त होना।

नष्टि स्त्री. (तत्.) नाश, बरबादी, विनाश।

नष्टेंदु कला स्त्री. (तत्.) 1. प्रतिपदा, परिवा 2. अमावस्या, कुहु।

नष्टेंद्रिय वि. (तत्.) संज्ञाहीन, संज्ञाशून्य।

नसंक वि. (तत्.) निःशंक, निर्भय, निडर, बेखौफ।

नस स्त्री. (तत्.) 1. पेशियों को बाँधने वाला दृढ़ तंतु, शरीर तंतु 2. एक वाहिनी नली 3. पतले रेशे या तंतु जो पत्तों के बीच-बीच में होते हैं, रुधिर वाहिनी नलिका 4. सूँघने की नस्य, नाक, नासिका मुहा. नस चढ़ना- खिंचाव, दबाव या झटके के कारण नस का अपने स्थान से इधर उधर हो जाना, बल खाना जिससे तनाव या पीड़ा होती है और कभी कभी सूजन भी; नसढीली होना- थकावट या शिथिलता आना, पस्त होना; नस (नस) फड़क उठना- बहुत प्रसन्नता या अत्यधिक आनंद होना, अतिशय उमंग होना; नस-नस में- सारे शरीर अथवा सर्वांग में; नस ढीली करना- हौसला पस्त करना, तोड़ देना; नसढीली पड़ना- लिंगेंद्रिय का शिथिल होना, पुंसत्व की कमी हो जाना बाँ. घोड़ा नस-पैर की पीछे की पिंडली के नीचे की बड़ी नस जिसके कट जाने से अत्यधिक खून बहने से मनुष्य मर सकता है 2 लिंग, पुरुष की मूर्धेंद्रिय।

नसकटा पुं. (देश.) नपुंसक, हिजड़ा, नामर्द।

नसतरंग पुं. (देश.) शहनाई के आकार या ढंग का पीतल का एक प्रकार का बाजा जो गले के पास की घंटी के पास की नसों पर रखकर, गले में स्वर भरकर बजाया जाता है।

नसतालीक पुं. (अर.) 1. अरबी-फारसी लिपि लिखने का वह ढंग जिसमें अक्षर साफ और सुंदर ढंग से लिखते हैं 2. बाल बोध लिपि 3. अच्छे रंग- ढंग वाला व्यक्ति, शिष्ट, सभ्य आदमी।